सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का सर्वोच्च प्रतीक हैं डॉक्टर

डॉक्टर्स डे आज : शहर के प्रमुख चिकित्सकों ने साझा किए अपने अनुभव और विचार...

मोटापे को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण

मोटापा कई बीमारियों की जड़ है. इसे नियंत्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है. यदि हम कम उम्र से ही मोटापे को नियंत्रित रखें, तो यह हमारे लिए बेहतर होगा. बढ़ता हुआ वजन खर्राटों का कारण बन सकता है, जो आपके हृदय को भी नुकसान पहुँचा सकता है. आजकल 20 से 40 वर्ष की आयु के युवा हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं. इसका मुख्य कारण नींद की कमी है. इसके अलावा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और डिस्लिपिडेमिया भी जोखिम बढ़ाने वाले कारक हैं. इन सभी बातों पर ध्यान देना आवश्यक है. इनसे बचने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियाँ और ताजे फल खाएँ. जहाँ तक संभव हो फलों के रस से बचें. प्रतिदिन नियमित रूप से व्यायाम करें. योग करें. यह भी जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है. नींद बहुत महत्वपूर्ण है. अपने मस्तिष्क को पर्याप्त आराम देना आवश्यक है. यदि आपको अच्छी नींद नहीं मिलती, तो इससे कई बीमारियाँ हो सकती हैं. अपने भोजन का समय नियमित रखें.

– डॉ. योगेश शाह

जीवन में करते हैं आशा का संचार

डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का सर्वोच्च प्रतीक हैं. डॉक्टर्स डे के अवसर पर मैं सभी चिकित्सकों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं सम्मान प्रकट करता हूँ. हर डॉक्टर अपने ज्ञान, अनुभव और मानवीय संवेदनाओं के माध्यम से अनगिनत जीवनों में आशा का संचार करता है. समाज के स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भविष्य के निर्माण में चिकित्सकों की भूमिका अतुलनीय है. एक डॉक्टर का सबसे बड़ा दायित्व केवल बीमारी का उपचार करना नहीं, बल्कि मरीज और उसके परिवार में विश्वास, साहस और उम्मीद जगाना भी है. स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक लगातार विकसित हो रही है, लेकिन करुणा, नैतिकता और मानवीय स्पर्श सदैव चिकित्सा का आधार रहेंगे. आइए, हम सभी मिलकर ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण करें जहाँ उत्कृष्ट चिकित्सा, गुणवत्ता, सुरक्षा और मानवीय मूल्यों का संतुलन बना रहे. मैं सभी इंदौर के नागरिकों से भी आग्रह करता हूँ कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच कराएँ, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ और डॉक्टरों के मार्गदर्शन का सम्मान करें

– सुनील मेहता, वीपी, कोकिलाबेन हॉस्पिटल, इंदौर

स्वास्थ्य को हमेशा प्राथमिकता दें

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर आप सभी से मेरा विनम्र आग्रह है कि अपने स्वास्थ्य को हमेशा प्राथमिकता दें. विशेष रूप से महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए और किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. समय पर परामर्श और सही उपचार से अनेक जटिल बीमारियों से बचाव संभव है. मेरा प्रयास हमेशा यही रहेगा कि प्रत्येक मरीज को संवेदनशीलता, विश्वास और बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान कर सकूं. आइए, जागरूकता और समय पर उपचार को अपनाकर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं.

– डॉ. ज्योति सिमलोट, एमबीबीएस, डीजीओ (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ)

डॉक्टर पर विश्वास बनाए रखें

डॉक्टर समाज के उत्थान में सदैव समर्पित रहते हैं. समाज जिन व्यक्तियों से निर्मित होता है, उनकी सेवा में डॉक्टर 24 घंटे 365 दिन लगे रहते हैं. कोई भी डॉक्टर जब पढ़ाई पूरी करके बाहर निकलते हैं, सर्वप्रथम उन्हें ये बात पता रहती है कि उसके मरीज का जीवन उन्हीं की कार्यक्षमता और कार्यकुशलता पर निर्भर करता हैं. किसी भी डॉक्टर की मंशा हमेशा उसके मरीज का ठीक हो जाना एवं उसके सामान्य जिंदगी मे लौट जाना ही रहती हैं. आज के समय में, जब तनाव काफी बढ़ गया है, मरीजों और डॉक्टरों के बीच संबंधों में कभी-कभी तनाव उत्पन्न हो जाता है. डॉक्टर्स डे पर यही कहूंगा कि मरीज अपने डॉक्टर पर पुराना वाला विश्वास बनाए रखे तो वह डॉक्टरों के लिए के लिए प्रेरणादायक और प्रोत्साहक रहेगा. आज आवश्यक है कि एक डॉक्टर को उसका मरीज सहयोगी व हितेषी के रूप मे देखें ना कि शक की निगाहों से.

– डॉ. रवि डोसी

जीवन बेहतर बनाने का नेक काम

डॉक्टर्स डे पर, मैं अपने मरीज़ों का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ कि उन्होंने हम पर और अपनी सेहत पर भरोसा किया. मेडिसिन सिर्फ़ एक पेशा नहीं है; यह सेवा करने, ठीक करने और लोगों का जीवन बेहतर बनाने का एक नेक काम है. इस दिन को मनाते हुए, मेरा पूरा ध्यान एडवांस्ड कार्डियोवैस्कुलर केयर (दिल की बेहतर देखभाल) को सुलभ बनाने और दिल की सेहत के बारे में जागरूकता को समाज के हर कोने तक पहुँचाने पर है. मुझे खास तौर पर मेडिकल फील्ड में महिलाओं के बड़े योगदान की याद आती है. विनकार्स के प्रेसिडेंट के तौर पर, मैं यह पक्का करने के लिए समर्पित हूँ कि महिलाओं की खास हेल्थकेयर ज़रूरतों को प्राथमिकता दी जाए और महिला मेडिकल प्रोफेशनल्स की अगली पीढ़ी को लीड करने, नई चीज़ें करने और लोगों का इलाज करने के लिए सशक्त बनाया जाए.

– डॉ. सरिता राव, कॉर्डियोलॉजिस्ट

बीमारी के इलाज से बेहतर उसकी रोकथाम

सभी पाठकों को डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएँ. बीमारी के इलाज से बेहतर उसकी रोकथाम है. इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को संतुलित एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। अपने खानपान को संतुलित रखें, नियमित योग और व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं तथा तनावमुक्त जीवन जीने की कला सीखें. छोटी से छोटी बीमारी का भी समय पर उपचार कराना आवश्यक है, ताकि वह गंभीर बीमारी का रूप न ले सके. साथ ही, 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को नियमित रूप से डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए और आवश्यक स्वास्थ्य जांच कराते रहना चाहिए ।स्वस्थ रहें, जागरूक रहें.

– डॉ. आशीष जैन.

वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें

नवभारत के पाठकों को नमस्कार. चिकित्सक दिवस के इस अवसर पर मैं सभी मरीज और उनके परिवारजनों का आभार व्यक्त करता हूं जो अपने विश्वास की नींव से चिकित्सक मरीज के इस संवेदनशील जुड़ाव को सींचते है. ईश्वर सभी को स्वास्थ्य जीवन प्रदान करे. मैं सभी पाठकों से न्यूरोसर्जन होने के नाते एक ही अपील करना चाहूंगा कि दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट आवश्य पहनें और स्ट्रोक के लक्षण जैसे कि संतुलन का बिगाड़ना, हाथ पैर में कमजोरी, आँखो में कमजोरी, चेहरे का तिरछापन इत्यादि को कतई उपेक्षित न करते हुए, ऐसा होने पर तुरंत न्यूरो विशेषज्ञ का परामर्श लें.

– डॉ. पीयूष, नयूरो सर्जन

मानसिक रोगों को लेकर जागरूकता

मेरा मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। अवसाद, चिंता, नशे की लत और अन्य मानसिक बीमारियां भी सामान्य बीमारियों की तरह उपचार योग्य हैं. समय पर पहचान और उचित इलाज से व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है. मैं समाज के हर नागरिक से आग्रह करता हूं कि मानसिक रोगों और नशामुक्ति से जुड़े उपचार को लेकर जागरूकता बढ़ाएं. साथ ही स्वास्थ्य बीमा (मेडिक्लेम) में मानसिक रोगों और नशामुक्ति उपचार को भी समान महत्व और समुचित कवरेज मिलना चाहिए, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति बिना आर्थिक चिंता के उपचार प्राप्त कर सके. आइए, इस चिकित्सक दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक, संवेदनशील और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लें. – डॉ. मनीष जैन, मनोचिकित्सक

भगवान या शैतान के चश्मे से न देखें

डॉक्टर भी उसी समाज से आते हैं, जिस समाज से पुलिस, पत्रकार, वकील, नेता, अभिनेता और खिलाड़ी आते हैं. इसलिए समाज का जैसा चरित्र होगा, वैसा ही डॉक्टरों का भी चरित्र होगा. डॉक्टर आसमान से नहीं आते. दूसरी बात, डॉक्टर को आप भगवान या शैतान के चश्मे से न देखें, बल्कि उन्हें एक इंसान के रूप में देखें. वे भी एक सामान्य इंसान हैं, जो एक विशेष काम कर रहे हैं, जैसे अन्य लोग अपने-अपने पेशे का काम करते हैं. तीसरी बात, आप अपना एक फैमिली फिजिशियन या किसी योग्य डॉक्टर को चुनकर रखें, जिस पर आपको विश्वास हो. क्योंकि छोटी-मोटी बीमारियाँ घर-परिवार में आती ही रहती हैं, इसलिए किसी ऐसे डॉक्टर से नियमित रूप से जुड़े रहें. साथ ही, अपने नज़दीक एक ऐसा अस्पताल भी पहचान कर रखें, जहाँ किसी बड़ी इमरजेंसी की स्थिति में आप तुरंत पहुँच सकें.

– डॉ. अखलेश कुमार जैन.

डॉ. भगवान नहीं होते हैं

डॉक्टर दिवस केवल चिकित्सकों का सम्मान करने का दिन नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को याद दिलाने का अवसर भी है. स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र की नींव होता है. आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी नॉन कम्युनिकेबल डिसीज तेजी से बढ़ रहे हैं. इन बीमारियों से बचाव के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है. मैं सभी देशवासियो से से आग्रह करता हूं कि उपचार से अधिक महत्व रोगों की रोकथाम को दें. अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और परिवार को भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें. डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास का रिश्ता ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला है. डॉक्टर भगवान नहीं होते है अगर भगवान होते तो वे कभी नहीं मरते ना बीमार पड़ते और ना अपनों को मरने देते. – डॉ. राजेश अग्रवाल

बीमारी से बचने के उपाय जानें

अधिकतर लोग डॉक्टर से मिलते हुए सिर्फ़ जाँच और दवाइयों के बारे में बात करते हैं जबकि आप उनसे क्या करें और क्या न करें इस बारे में भी पूछें. अपनी बीमारी/ डायग्नोसिस के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें, समझें और उससे बचने के उपाय जाने. खाने पीने की आदतें और रहन सहन में बदलाव से भी आप अपनी बीमारी से बचाव कर सकते हैं. याद रहे कि लंबी उम्र और अच्छी सेहत पाने का रास्ता अच्छी जीवन शैली है एक फ़ैमिली डॉक्टर जनरल प्रैक्टिशनर आपके परिवार के लिए अच्छा मार्गदर्शक होता है. अपने पारिवारिक डॉ पर विश्वास रखें और नियमित उन्हें दिखाते रहें. डॉक्टर की पर्चियाँ आपकी मेडिकल फाइल के सबसे महत्वपूर्ण कागज़ हैं. इन्हें हमेशा सुरक्षित रखें. सुव्यवस्थित मेडिकल फाइल आपकी चिकित्सा को अधिक सुरक्षित, सरल और प्रभावी बनाती है. वहीं, हम डॉ को चाहिये कि मरीजों की आवश्यकता से कम या अधिक उपचार न हो. हम उन्हें रिपोर्ट के

नियमित स्वास्थ्य जांच को आदत बनाएं

हर एक जीवन अनमोल है और चिकित्सा का उद्देश्य केवल उपचार नहीं, बल्कि सुरक्षित जीवन की ओर विश्वास के साथ आगे बढ़ाना भी है. राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि बीमारी या ऑपरेशन की स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह का पूरी गंभीरता से पालन करें और नियमित स्वास्थ्य जांच को अपनी आदत बनाएं. आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है. बेहतर चिकित्सा, सजगता और समय पर उपचार के साथ हम सभी मिलकर एक सुरक्षित और स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं.

– डॉ. हर्ष हार्डिया, एम.डी. (एनेस्थीसिया)

चिकित्सकों की भूमिका अतुलनीय

डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का सर्वोच्च प्रतीक हैं. हर डॉक्टर अपने ज्ञान, अनुभव और मानवीय संवेदनाओं के माध्यम से अनगिनत जीवनों में आशा का संचार करता है. समाज के स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त भविष्य के निर्माण में चिकित्सकों की भूमिका अतुलनीय है. एक डॉक्टर का सबसे बड़ा दायित्व केवल बीमारी का उपचार करना नहीं, बल्कि मरीज और उसके परिवार में विश्वास, साहस और उम्मीद जगाना भी है. स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक लगातार विकसित हो रही है, लेकिन करुणा, नैतिकता और मानवीय स्पर्श सदैव चिकित्सा का आधार रहेंगे. आइए, हम सभी मिलकर ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण करें जहाँ उत्कृष्ट चिकित्सा, गुणवत्ता, सुरक्षा और मानवीय मूल्यों का संतुलन बना रहे. मैं सभी इंदौर के नागरिकों से भी आग्रह करता हूँ कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच कराएँ. – डॉ. नितिन तोमर

सेल्फ डायग्नोसिस और उपचार से बचें

एआई के जमाने में क्लिनिकल एक्सीलेंस सर्वोपरि है. आज एआई बेस्ड एप डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट प्लानिंग की एक्यूरेसी बढ़ाने में सहायक हो रहे हैं. वहीं डेंटिस्ट का क्लिनिकल एक्सीलेंस मरीजों को बेहतर उपचार देने में सर्वोपरि है. आज डेंटिस्ट्री में एडवांस टेक्नोलॉजी का उपयोग होने से मरीजों को विश्वस्तरीय डेंटल ट्रीटमेंट का फायदा मिल रहा है. लेकिन इन सभी एडवांसमेंट की एक हायर कीमत होती है. तकनीकी ट्रीटमेंट की सिम्प्लीसिटी और स्वीकार्यता बढ़ रही है. लेकिन डॉक्टरों के लिए यह जरूरी है कि वे स्वयं को प्रशिक्षित करें बेहतर एक्जीक्यूशन के लिए. डॉक्टर्स डे पर आम जनता को यही मैसेज देना चाहूंगा कि एआई बेस्ड सेल्फ डायग्नोसिस और उपचार से बचें. विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें. स्वस्थ रहने का सबसे अच्छा तरीका है मुँह की साफ़-सफ़ाई के बुनियादी नियमों का पालन करना. –डॉ. मनीष वर्मा, डेंटिस्ट

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लें

डॉ. कुलदीप राणा सभी नवभारत के पाठकों को डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएँ. स्वस्थ जीवन ही सबसे बड़ा धन है. इस डॉक्टर डे पर आइए, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम और सकारात्मक सोच के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लें. मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का समान रूप से ध्यान रखें तथा मौसम में बदलाव के दौरान खानपान में विशेष सावधानी बरतें. दाँतों की स्वच्छता (ओरल हाइजीन) बनाए रखें, क्योंकि स्वस्थ दाँत अच्छे स्वास्थ्य की नींव हैं. दिन में दो बार ब्रश करें, नियमित दंत परीक्षण कराएँ और अपनी मुस्कान को हमेशा बरकरार रखें. स्वस्थ रहें, मुस्कुराते रहें और हेल्दी व हैप्पी लाइफ जिए..

– डॉ. कुलदीप राणा.

महिला अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर मैं सभी परिवारों से यही कहना चाहूंगी कि मां का स्वास्थ्य ही पूरे परिवार की खुशहाली की नींव है. गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद नियमित जांच, संतुलित आहार तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श मां और शिशु दोनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं. हर महिला अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे, किसी भी समस्या को नजरअंदाज न करे और समय पर विशेषज्ञ की सलाह अवश्य ले. एक स्वस्थ मां ही स्वस्थ पीढ़ी और स्वस्थ समाज का आधार बनती है.

– डॉ. करुणा जैन. प्रसूति रोग विशेषज्ञ

उपचार से अधिक महत्वपूर्ण बचाव

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर मेरी यही कामना है कि मरीज और चिकित्सक के बीच विश्वास, संवाद और आत्मीयता का रिश्ता हमेशा मजबूत बना रहे. यही विश्वास बेहतर उपचार और अच्छे स्वास्थ्य की सबसे मजबूत नींव है. मैं हमेशा यही सलाह देता हूं कि उपचार से अधिक महत्वपूर्ण बीमारी से बचाव है. आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में छोटी-छोटी अच्छी आदतें बड़े बदलाव ला सकती हैं. नियमित दिनचर्या अपनाएं, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लें, वजन नियंत्रित रखें, प्रतिदिन व्यायाम करें, पर्याप्त विश्राम लें, समय-समय पर आवश्यक स्वास्थ्य जांच कराएं तथा मानसिक तनाव को नियंत्रित रखने का प्रयास करें. आइए, इस चिकित्सक दिवस पर हम सभी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लें. स्वस्थ रहें, व्यस्त रहें, मस्त रहें.

– डॉ. संजय लौंढे, चेस्ट फिजिशियन

मानव सेवा का पेशा

जिस तरह बॉर्डर पर आर्मी 24 घंटे 365 दिन हर मौसम देश की रक्षा करता है, उसी तरह डॉक्टर देश के लोगों की सुरक्षा के लिए काम करते हैं. उनका निजी जीवन भी प्रभावित होता है क्योंकि मरीज की जान बचाने के उसे निजी कार्यक्रम छोड़ने पड़ते हैं. यह पेशा एक तरह की मानव सेवा है. मुझे डॉक्टर होने पर मुझे गर्व है. आम जनता को ये मेसेज देना चाहता हूँ कि जो भी व्यक्ति 40-45 साल की उम्र से अधिक हो गया हो, उससे नियमित रूप से अपनी जांच कराना चाहिए खासकर शुगर, बीपी. जीवनशैली में परिवर्तन करना चाहिए. स्मोकिंग, एल्कोहल और ड्रग अडिक्शन से दूर रहना चाहिए. वजन नियंत्रित रखना चाहिए. नियमित मॉर्निंग वाक करना चाहिए. यंग जनरेशन जिन्हें जिम जाने का शौक वे प्रशिक्षित ट्रैनर की निगरानी में व्यायाम करें और उसके पहले शुगर बीपी चेक करवाना चाहिए.

– सुबोध जैन, न्यूरोसर्जन

मानवता के साथ देखभाल करें

त्वचा की देखभाल करना कभी भी किसी स्थिति का इलाज करने के बारे में नहीं है, यह व्यक्ति के बारे में चिंता का विषय है- भावनाएं, आत्मविश्वास, आशाएं और एक कहानी. जब हम सुनते हैं, समझते हैं, और अपने मरीज़ों के बगल में खड़े होते हैं, तो हम उपचार स्पर्श विकसित करते हैं. इस डॉक्टर दिवस पर, मैं उन सभी रोगियों और परिवारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जो अपनी देखभाल के साथ हम पर भरोसा करते हैं. आपका विश्वास, धैर्य और मुस्कुराहट हम जो करते हैं उसे अर्थ देते हैं. मेरे साथी डॉक्टरों के लिए शांत बलिदान, लंबे समय तक, और करुणा के लिए धन्यवाद जो आप हर दिन लाते हैं. हम ज्ञान के साथ चंगा करना जारी रखें, विनम्रता के साथ सेवा करें, और मानवता के साथ देखभाल करें. डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं.

–डॉ. जयेश कोठारी.

मरीजों का विश्वास ही प्रेरणा

डॉक्टर्स डे कीशुभकामनाएं. डॉक्टर्स डे के अवसर पर मैं सबसे पहले अपने सभी मरीजों का हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे उनकी सेवा करने का सौभाग्य दिया. आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है. मैं अपने सभी गुरुजनों के प्रति भी कृतज्ञ हूँ, जिनके ज्ञान, मार्गदर्शन और संस्कारों ने मुझे चिकित्सा के माध्यम से समाज की सेवा करने योग्य बनाया. मेरे लिए चिकित्सा केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण का संकल्प है. एक चिकित्सक का सबसे बड़ा पुरस्कार तब मिलता है, जब मरीज स्वस्थ होकर मुस्कुराते हुए अपने जीवन की ओर लौटता है. यही मुस्कान हमें निरंतर बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देती है. डॉक्टर्स डे पर मैं अपने सभी मरीजों, गुरुजनों और सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ.

– डॉ. संदीप जुल्का

स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें

चिकित्सा सेवा मेरे लिए केवल पेशा नहीं, एक पवित्र कर्तव्य है. मरीजों के विश्वास ने मुझे हर दिन बेहतर बनने की प्रेरणा दी है. इस अवसर पर मैं समाज से अपील करता हूँ कि अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें. अफवाहों से बचें, योग्य डॉक्टर से ही सलाह लें. स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं- संतुलित आहार, व्यायाम और पर्याप्त नींद लें. हम डॉक्टर आपके जीवन के हर मोड़ पर आपके साथ हैं. आपका सहयोग और विश्वास ही हमें सेवा के लिए ऊर्जा देता है. आइए, मिलकर एक स्वस्थ भारत बनाएं.

– डॉ. डीके शर्मा.